

प्रेषक,

डा० राकेश कुमार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

प्राचार्य,
वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान शोध संस्थान,
श्रीनगर, पौड़ी गढ़वाल ।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 23 अक्टूबर, 2009

विषय:- वित्तीय वर्ष 2009-10 के बजट के अनुदान संख्या-12 की वित्तीय
स्वीकृतियां निर्गत किया जाना।

महोदय,

उपरोक्त विषयक कृपया अपने पत्र
संख्या-मे०का०/बजट/लेखा/2009-10/3809 दिनांक 05.10.2009 का संदर्भ ग्रहण करने
का कष्ट करें। इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है प्रमुख सचिव वित्त विभाग
के शासनादेश संख्या-515(1)/XXVII(1)/2009 दिनांक 28.07.2009 के सन्दर्भ में मुझे यह
कहने का निदेश हुआ है कि वर्ष 2009-10 का बजट स्वीकृत होने व तत्सम्बन्धी विनियोग
अधिनियम, 2009 पारित होने के फलस्वरूप आवश्यक वचनबद्ध मदों यथा वेतन, महंगाई
भत्ते, अन्य भत्ते तथा अनुदान के रूप में सरकारी सेवकों तथा गैर सरकारी सेवकों के वेतन
एवं वचनबद्ध मदों में मजदूरी, विद्युत देय, जलकर किराया, पेंशन, औषधि, भोजन व्यय,
पेट्रोल, टेलीफोन तथा अन्य आवश्यक व्ययों का भुगतान सुनिश्चित किये जाने हेतु वित्तीय
वर्ष 2009-10 के बजट की समस्त संलग्नक में अंकित धनराशि शासनादेश
संख्या-603/XXVIII(1)/2009/13/04 TC-I दिनांक 10.08.2009 द्वारा अवमुक्त की गयी थी
को लेखानुदान को सम्मिलित करते हुए आयोजनागत पक्ष में रू० 1,30,60,000.00 (रू० एक
करोड़ तीस लाख साठ हजार मात्र) की समस्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय
करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों
तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की
स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त

- कर ली जाये। उक्त धनराशि केवल लम्बित देनदारियों/सृजित हो चुकी देनदारियों के भुगतान पर व्यय की जायेगी।
2. धनराशि जिस मद के लिए स्वीकृत की जा रही है। उसी मद में व्यय की जाएं। एक मद से दूसरी मद में धनराशि का स्थानान्तरण शासन की अनुमति के बिना कदापि न किया जाये। उक्त धनराशि शासनादेश संख्या-603/XXVIII(1)/2009-13/2004TC-I दिनांक 10.08.2009 में उल्लिखित दिशा निर्देशों के अनुरूप की जाये।
 3. किसी भी व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्त नियमावली 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1(लेखा नियम), आय व्ययक सम्बन्धी नियम तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
 4. यह उल्लेखनीय है कि व्यय में मितव्ययिता अतिआवश्यक है व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। फर्नीचर/उपकरण/मशीन आदि का क्रय पूर्व अनुपलब्धता के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित करते हुए यथा आवश्यकता ही क्रय किया जाय।
 5. जो बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्य किया जाये। बजट नियंत्रक अधिकारी बी0एम0-17 पर आवंटन सम्बन्धी विवरण तथा आवंटन आदेश हेतु निर्धारित प्रारूप पर आहरण वितरण अधिकारियों को बजट आवंटन तथा जिस अधिकारी का नमूनाहस्ताक्षर समस्त कोषाधिकारियों में परिचालित हो, के हस्ताक्षर से अनुदान के अधीन आयोजनागत एवं आयोजनेत्तर की धनराशियों पूर्व निर्गत शासनादेश के क्रम में जारी किया जाये अन्यथा कोषागार द्वारा भुगतान नहीं किया जायेगा, जिसके लिए सम्बन्धित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।
 6. व्यय करने से पूर्व यह सुनिश्चित कराया जायेगा कि योजनान्तर्गत पूर्व स्वीकृत यथाप्रभावी दिशा निर्देशों एवं मानकों की कड़ाई से अनुपालन कर ली गई हो।
 7. सामग्री सेवाओं को प्राप्त करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के प्राविधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। नियमानुसार प्रक्रिया के

अधीन कय आदेश निर्गत करने से पूर्व शासन की पूर्ण अनुमति/सहमति प्राप्त की जायेगी।

8. शासनादेश संख्या-205/XXVII(1)/2009 दिनांक 25.03.2009 का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए फर्निचर/उपकरण आदि का कय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अनुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए, पूर्व अनुपलब्धता के आधार पर प्राथमिकता निर्धारित करते हुए नियमानुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
9. उक्त के सापेक्ष होने वाला व्यय संलग्नक में उल्लिखित लेखाशीर्षक के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।
10. यह आदेश वित्त विभाग के अर्द्ध शासकीय संख्या-470(P)/XXVIII(3)/2008 दिनांक 20.10.2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा० राकेश कुमार)
सचिव।

सं०- 869 /XXVIII(1)/2009/13/2004 TC-1 तद दिनांक
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड माजरा देहरादून।
- 2-आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
- 3-जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड।
- 4-निदेशक कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 5-वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
- 6-महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 7-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 8-कोषाधिकारी, पौड़ी।
- 9-बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
- 10-वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03/नियोजन विभाग/एन०आई०सी०।
- 11-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(मायावती ठकुरियाल)
उप सचिव।

सं०- ७६९ /XXVIII(1)/2009/13/2004 TC-1 दिनांक 23 अक्टूबर, 2009 का

संलग्नक

(धनराशि रू० हजार में)

लेखाशीर्षक		आयोजनागत
2210	चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य	
05	चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान	
105	पाश्चात्य शिक्षा पद्धति	
04	मेडिकल कॉलेज	
0401	श्रीनगर मेडिकल कॉलेज की स्थापना	
05	स्थानान्तरण यात्रा व्यय	300
11	लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	600
12	कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	300
16	व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	4000
19	विज्ञापन, बिक्री और विख्यापन व्यय	3000
21	छात्रवृत्तियां और छात्रवेतन	500
22	आतिथ्य व्यय विषयक भत्ता आदि	110
25	लघु निर्माण कार्य	500
27	चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	500
29	अनुरक्षण	500
31	सामग्री और समपूर्ति	1500
44	प्रशिक्षण व्यय	300
45	अवकाश यात्रा व्यय	200
46	कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	500
47	कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	250
	योग	13060
	महायोग	13060
		(रू० एक करोड़ तीस लाख साठ हजार मात्र)

मायावती
(मायावती ढकरियाल)
उप सचिव।